

इंजीनियरिंग में एथिक्स को फॉलो करना जरूरी : प्रो. केएल चोपड़ा

इंजीनियरिंग चैलेंजेज को लेकर शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में दो दिवसीय आईएनआई यूथ कॉन्क्लेव की शुरुआत हुई, इसमें इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स और एस्पारिंग इंजीनियर्स के साथ इस फील्ड से जुड़े एक्सपर्ट्स ने इंटरैक्ट किया

सिटी रिपोर्टर | सोसायटी में इंजीनियरिंग किस तरह रोल प्ले करती है इसको इस उदाहरण से समझें। दिल्ली में व्हीकल्स लोड बढ़ गया। इसके लिए ई. श्रीधरन ने मेट्रो को ऐसे प्लान किया जिससे ट्रांसपोर्ट का लोड डिवाइड हो जाए। कुछ ऐसे ही उदाहरण के साथ इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ने प्रेजेंटेशन दिया बिड़ला ऑडिटोरियम में शुरू हुए आईएनआई यूथ कॉन्क्लेव में। इस दो दिवसीय कॉन्क्लेव के पहले दिन आईएनआई के प्रेसिडेंट और इसरो के प्रोफेसर डॉ. बीएन सुरेश, वाइस प्रेसिडेंट आईएनआई डॉ. पूर्णेन्दु घोष, आईआईटी खड़गपुर के डायरेक्टर इंद्राणी मन्ना और प्रो. पीपी चक्रवर्ती मौजूद थे। कार्यक्रम का आयोजन बिड़ला इंस्टीट्यूट



ऑफ साइंस रिसर्च जयपुर की ओर से किया जा रहा है। शाम को रुक्मणि बिड़ला स्कूल के स्टूडेंट्स ने कल्चरल परफॉर्मेंस दी। इसमें 200 इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ने पार्टिसिपेंट किया। स्टूडेंट्स ने दी प्रेजेंटेशन : इंजीनियरिंग के एथिक्स सिखाने और यंग इंजीनियर का फ्यूचर में क्या रोल होगा इस पर निबंध प्रतियोगिता भी रखी गई। इसमें पांच स्टूडेंट्स ने अपनी प्रेजेंटेशन

दी। स्टूडेंट्स ने दिल्ली मेट्रो, मुंबई वाटर हार्वेस्टिंग और सोसायटी में इंजीनियरिंग के लिए चुनौतियों पर उदाहरण पेश किए। डॉ. पूर्णेन्दु घोष ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य इंजीनियरिंग फील्ड के एक्सपर्ट से स्टूडेंट्स से इंटरैक्ट करवाना है।

आज ये होंगे सेशन : इंजीनियरिंग एजुकेशन एंड इनोवेशन, आंत्रप्रेन्योरशिप, स्टार्टअप पर सेशन रखे गए हैं।